सुविधाएं

पुस्तकालय

महाविद्यालय में नामांकित प्रत्येक छात्र–छात्रा नियमानुसार पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करने का अधिकारी होगा जिसके लिए आवश्यक औपचारिकतायें अभ्यर्थी को पूर्ण करनी होगी।

छात्रवृत्तियाँ

- राज्य सरकार से प्राप्त विभिन्न छात्रवृत्तियाँ नियमानुसार देय होगी।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की ओर से महाविद्यालय में अध्ययनरत योग्यता के आधार पर प्रत्येक कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रति वर्ष 10 दिसम्बर को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। महाविद्यालय की प्रत्येक कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र–छात्राओं को प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को पुरस्कृत किया जाता है।
- छात्रों की चतुरस्र योग्यता के आधार पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की समस्त संस्थाओं में श्रेष्ठतम को 1000 रू. की महाराणा मेवाड़ चतुरस्र योग्यता छात्रवृत्ति प्रति वर्ष 10 दिसम्बर को प्रदान की जाती है।
- परिषद् द्वारा ही सर्वोच्च अंक प्रतिशत के आधार पर 250 रू. की स्व. डॉ. हरि प्रसाद शाही स्मारक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

उत्सव एवं विशेष कार्यक्रम

महाविद्यालय में मुख्य रूप से निम्नलिखित अवसरों पर उत्सव एवं विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। स्वतन्त्रता दिवस, ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप जयन्ती/पुण्यतिथि, गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती, गणतंत्र दिवस, संस्थापक सप्ताह समारोह, वार्षिक क्रीड़ा समारोह, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, विज्ञान मेला आदि। प्रतिवर्ष अगस्त माह में सप्तदिवसीय ब्रह्मलीन दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन महाविद्यालय में किया जाता है।

साईकिल स्टैण्ड

महाविद्यालय परिसर में निश्चित साईकिल, स्कूटर तथा मोटरसाइकिल रखना होगा। इसके लिए छात्र को निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ इस सम्बन्ध में तय नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

योगिराजा बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिग प्रशिक्षण केन्द्र

महाविद्यालय में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिग प्रशिक्षण केन्द्र संचालित हो रहा है। जिसका छात्राएं एवं आसपास की ग्रामीण महिलायें लाभ ले रही हैं। जिसके माध्यम से महिलाओं में स्वावलम्बन की भावना जागृत हो रही है। प्रत्येक सत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु

को प्रोत्साहन हेतु सिलाई मशीन प्रदान किया जाता है।

महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र संचालित है। विद्यार्थी एवं आसपास के ग्रामवासी इसका लाभ ले रहे हैं। सप्ताह में दो दिन–बुधवार एवं बृहस्पतिवार को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा लोगों को लाभ पहुँचा रहे हैं।

हमारे महापुरुष प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में हमारे महापुरुष प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलत महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है।

जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन–मूल्य प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा–परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन–मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है

राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को निःशुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यक्ता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त की योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016–17 से विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त निःशुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढ़ंग से संचालन किया जा रहा है। इसके संयोजक राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार हैं।

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई–फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों–विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करा दी गई।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास उपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ–साथ व्यक्तिगत विकास की अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना बेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित की जाती है। कक्षा संचालन शत–प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य–शिक्षक की बैठक में की जाती है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। साराशं में उस कक्षा में पढ़ायें जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुज्ञतकालय इंटरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई–बुक्स, ई–जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने का अवसर विद्यार्थी–शिक्षकों को प्राप्त है।

काउंसलिग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को

व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभन्वित होते हैं।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक द्वारा अपने–अपने प्रश्नपत्र में छात्र–छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र–छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष शिविर तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने–अपने प्रश्नपत्र में छात्र–छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाइट के माध्यम से एवं लिखित रुप से प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन एवं आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

छात्रावास

महाविद्यालय में छात्रों के लिए योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम छात्रावास सभी सुविधाओं से युक्त छात्रावास प्रारम्भ हो चुका है। जिसका सभी विद्यार्थी लाभ ले रहे हैं। महाविद्यालय की छात्राओं के लिए समिति संख्या में महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स में आवासीय सुविधा उपलब्ध है।

कैन्टिन

महाविद्यालय में कैन्टिन की उत्तम व्यवस्था चल रही है। जिसका प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र/छात्राएं प्रयोग कर रहे हैं।

❖❖❖❖❖

Cosmetology and Selfcare certificate course

The objective of a cosmetology and self-care certificate course is to equip students with the fundamental knowledge and practical skills necessary for a successful career in the beauty industry. Through comprehensive training in areas such as skincare, haircare, makeup application, and client consultation, the course aims to cultivate proficiency and confidence in delivering professional beauty services. Students learn about industry standards, hygiene practices, product knowledge, and client communication to ensure safe and effective treatments. With a focus on hands-on experience and theoretical understanding, the course prepares individuals to pursue employment opportunities in salons, spas, and other beauty-related settings, fostering career readiness and professional growth.

Disaster and National Security Management certificate course

Disasters and environmental degradation are generally considered parts of a non-traditional threat to National Security. India by virtue of its geo-climatic and socio-economic conditions is one of the five most affected countries in the world in terms of the number of deaths and due to various natural disasters that make it vulnerable. However, India has also transitioned to a position of being an important provider of assistance in International disasters. Since India has a progressive and forward-looking country of the world, it has a developmental agenda of inclusive growth, which is getting impacted by disasters. Disaster risk reduction has emerged as a high priority focus area in India’s national policy framework from last few decades. In this perspective, the introduction of this course will provide a new understanding of the ‘vulnerability’ aspect of India in the larger context of disaster management in India's national security.

त्रैय मासिक संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय के सभी विषय वर्ग के विद्यार्थीयो को संगीत और साहित्य के स्वरुप के प्रारंभिक ज्ञान से परिचित करना साथ ही विद्यार्थियों में संगीत विषय के अध्धयन के प्रति अभिरुचि का विकास करना होता है

भाषा शिक्षण एवं व्याकरण प्रमाण पत्र कार्यक्रम

इस कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय के स्नातक वर्ग के विद्यार्थीयो को हिंदी भाषा और साहित्य के स्वरुप के प्रारंभिक ज्ञान से परिचित करना साथ ही विद्यार्थियों में हिंदी भाषा और साहित्य विषय के अध्धयन के प्रति अभिरुचि का विकास करना होता है

मूल्यपरक– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

''हमारे साहित्यकार''

साहित्य समाज का दर्पण है। यह जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है। आदि से अन्त तक इन्हीं चित्तवृत्ति को संचित कर उन्हें व्यवस्थित रूप में शब्दों को अटूट श्रृंखला में पिरोकर लिखित रूप में देने वाला, साहित्यकार कहलाता है। साहित्य की मूल चेतना और भावना अथवा आधार मानव और समाज की उन्नति है। मानव समाज द्वेष, घृणा, शोषण और अमानवीय कर्मों को त्याग कर प्रेम, त्याग और समत्व के आधार पर ही विकास की ओर बढ़ता है। साहित्य शब्द से उसके अनेक रूपों और विधाओं का ज्ञान होता है। कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक एकांकी, निबन्ध आलोचना आदि विधाएं साहित्य के ही रूप हैं। साहित्य की रचना समाज से ही होती है। आत्मा और शरीर का जो संबंध है, वही संबंध साहित्य और समाज का भी है।

Bachelor in Computer Application Course

B.C.A is a 3-year undergraduate degree programme that focuses on knowledge on the basics of computer application and software development. B.C.A degree is considered to be at par with a B.Tech./B.E. degree in Computer Science or Information Technology. The basic objective of BCA Course is to provide young student with the required knowledge and necessary skills to get rewarding careers into the changing world of Information Technology. BCA is an undergraduate degree programme for candidates wishing to delve into the world of Computer languages. One of the most popular options to get started with a career in Information Technology, the course gives an insight into the world of computers and its applications. The degree helps interested students in setting up a sound academic base for an advanced career in Computer Applications.

About B.C.A in Campus:

Founded with the inception of the college, the Bachelor in Computer Application at Maharana Pratap Post Graduate College, Jungle Dhusar, Gorakhpur, has created a niche for itself through its knowledge oriented education and state-of the-art laboratory. The Bachelor in Computer Application Department (B.C.A) is formed in the year 2023. Students are exposed to rigorous and exhaustive curriculum under the guidance of experienced and qualified faculty. The teaching programme, here, is

devised keeping in view the significance of Industry-Academia interaction enabling the students to face the global competitiveness.